F.Y.B.A. Hindi - 22/11/2017.

Pages (03) Time 3 to 6p.

Q.P. Code : 25306

(समयः ३ घंटे) **(अंक : १००)**

सूचनाः १) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

२) उत्तर पुस्तिका पर प्रश्न क्रमांक, उप-प्रश्न क्रमांक अवश्य लिखिए।

१. निम्नलिखित अवतरणों का संदर्भ सहित स्पष्टीकरण कीजिए। २०

क) "निज गौरव का नित ज्ञान रहे
हम भी कुछ हैं यह ध्यान रहे
मरणोत्तर गुंजित गान रहे
कुछ हो न तजो निज साधन को नर हो,
न निराश करो मन को।"

अथवा

"मुझे तोड़ लेना बनमाली,
उस पथ में देना तुम फेंक।
मातृ-भूमि पर शीश चढ़ाने,
जिस पथ जावें वीर अनेक।"

ख) "यह घोड़ा तुम्हारा हो चुका है। मैं तुमसे इसे वापस करने के लिए न कहूँगा। परन्तु खड़गसिंह, केवल एक प्रार्थना करता हूँ। इसे अस्वीकार न करना, नहीं तो मेरा दिल टूट जायेगा।"

अथवा

"महाराज, वह योजना क्या है, एक मुसीबत है। उसके अनुसार कितने उलट-फेर करने पड़ेंगे। कितनी परेशानी होगी। सारी व्यवस्था उलट-पलट हो जायेगी। जो चला आ रहा है, उसे बदलने से नयी-नयी कहानियाँ पैदा हो सकती हैं। हमें तो कोई ऐसी तरकीब चाहिए जिससे बिना कुछ उलट-फेर किये भ्रष्टाचार मिट जाये।"

२. निम्नलिखित दीर्घोत्तरी प्रश्नों के उत्तर लिखिएः- ३०

ग) 'जलाओं दिये पर ध्यान रहे इतना' कविता का केन्द्रीय भाव स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'दीया जलाना कब मना है' कविता में कवि का आशावादी दृष्टिकोण दिखाई देता है।' पठित कविता के आधार पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

घ) 'डिप्टी-कलेक्टारी' कहानी में शकलदीप बाबू के संघर्ष को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'अपना गाँव' कहानी मानवीय पीड़ा को दर्शाती है।' इस कथन की पुष्टि कीजिए।

Turn Over

2A16B7BF2EFCEAFF7D111F48CBE8F255

३. निम्नलिखित विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए।

च) 'बीती विभावरी जाग री' कविता का मूल स्वर।

अथवा

'भिक्षुक' कविता में भिखारी की दीनता।

छ) 'मधूलिका' का चरित्र-चित्रण।

अथवा

'कबूतरी' का चरित्र-चित्रण

४. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक वाक्य में लिखिए।

i) ' भिक्षुक' क्या टेक कर चल रहा है ?
ii) 'पुष्प' की क्या अभिलाषा है ?
iii) मरने के बाद चिता पर लोग क्या डाल देंगे ?
iv) 'दीया जलाना कब मना है' किसकी कविता है ?
v) मनुज को किसका रुप लेना होगा ?
vi) अपाहिज का वेश कौन धरकर बैठा था ?
vii) शामनाथ किस कहानी का पात्र है ?
viii) मुन्नी ने बाबूजी से क्या माँगा ?
ix) साधु मे अपने झोले से क्या निकालकर दिया ?
x) 'अपना गाँव' कहानी के लेखक कौन है ?

५. अपने भाई की शादी में दोस्तों को बुलाने के लिए निमंत्रण पत्र का प्रारुप तैयार कीजिए।

अथवा

अशुद्ध जल की पूर्ति होने के बारें में महानगर पालिका, जल निगम अधिकारी को शिकायती पत्र का नमूना तैयार कीजिए।

६. ज) सूचना निम्नलिखित सभी प्रश्नों के उत्तर लिखिए:-

अ) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए। (०२)

i) कल मेरे पिता जी ने आना है।
ii) मेरे परीक्षा समाप्र हो गए है।

आ) निम्नलिखित वाक्यों में से संज्ञा शब्द पहचानकर लिखिए। (०२)

i) अशोक के पास एक पुस्तक थी।
ii) सौदागर सिंह की वीरता देखकर सब चकित रह गए।

Turn

इ) निम्नलिखित वाक्यों में से सर्वनाम शब्द पहचानकर लिखिए। (०२)

i) वह बहुत तेज दौड़ता है।

ii) वहाँ कौन खड़ा है ?

ई) निम्नलिखित वाक्यों में से विशेषण शब्द पहचानकर लिखिए। (०२)

i) वह सफेद कपड़ा पहनती है।

ii) वह मेरा बड़ा भाई है।

उ) निम्नलिखित वाक्यों में से क्रिया शब्द पहचान कर लिखिए। (०२)

i) वह फल खा रहा है।

ii) सीता गाना गा रही है।

झ) निम्नलिखित गदयांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। १०

हमारे जीवन में कई जाने-अनजाने गुरु होते हैं जिनमें हमारे माता-पिता का स्थान सर्वोपरि है। गुरु वह है जो जाँच-परखकर शिष्य को शिक्षा देता है। भारत में गुरु-शिष्य संबंध सदियों पुराना है। गुरु को ईश्वर से भी बड़ा माना जाता है। गुरु अपना सारा ज्ञान शिष्य को दे देता है। गुरु का उद्देश्य होता है कि उसका शिष्य उससे अधिक विद्वान बने। गुरु के लिए शिष्य अपनी संतान से बड़ा होता है। हमारे भारत देश मे कई ऐसी गुरु-शिष्यों की अनोखी जोड़ियाँ रही है, जैसे रानीलक्ष्मीबाई और तांत्या, चंद्रगुप्र मौर्य और चाणक्य आदि। कई शिष्यों ने भी अपने गुरु का मान रखकर गुरुदक्षिणा में अपना सर्वस्व दे दिया इनमें 'एकलव्य' का नाम अमर है, जिसने गुरु द्रोण के कहने पर अपना अँगूठा ही दे दिया।

i) हमारे गुरुओं में सर्वोपरि स्थान किसका है ?

ii) गुरु को किकसे बड़ा माना जाता है ?

iii) चंद्रगुप्त मौर्य के गुरु का नाम बताइए।

iv) शिष्यों में किसका नाम अमर है ?

v) एकलव्य ने गुरुदक्षिणा में क्या दिया ?